

>

Title: Need to attach the coach for the physically handicapped passengers in the middle of the train.

श्री नारायण सिंह अमलाबे (राजगढ़): महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं आपके माध्यम से किसी समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने से पहले भारतीय रेल की निश्चित विवलांगों के लिए पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के संबंध में माननीय रेल मंत्री महोदय सहित संपूर्ण रेल विभाग को धन्यवाद देना चाहता हूँ। रेल विभाग द्वारा प्रत्येक रेल में निश्चित विवलांग यात्रियों के लिए अलग से आरक्षित बोगी लगाई जाती है जिससे निश्चित विवलांग यात्रियों को आरामदायक रेल यात्रा का लाभ मिल रहा है। मैं इस संबंध में आपके माध्यम से रेल मंत्री जी को एक सुझाव देना चाहता हूँ। वर्तमान में रेल में जो विवलांग बोगी लगाई जाती है वह या तो इंजन के पास या अंत में होती है। मेरा निवेदन है कि इसे रेल के मध्य में लगाया जाए क्योंकि विवलांग यात्रियों को प्लेटफार्म पर प्रवेश करते ही उक्त बोगी तक पहुंचने में अधिक समस्या न आए। यदि रेलवे मंत्रालय यह निर्णय लेता है तो निश्चित ही यह कदम विवलांग यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराने के साथ "नर सेवा ही नारायण सेवा है" जैसे अलौकिक विचार को चरितार्थ करेगा।

*m02

श्री पन्ना लाल पुनिया : महोदय, मैं अपने आपको नारायण सिंह अमलाबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करता हूँ।

सभापति महोदय : आपके नाम में भी नारायण है इसलिए आपने "नर सेवा ही नारायण सेवा कहा।"